

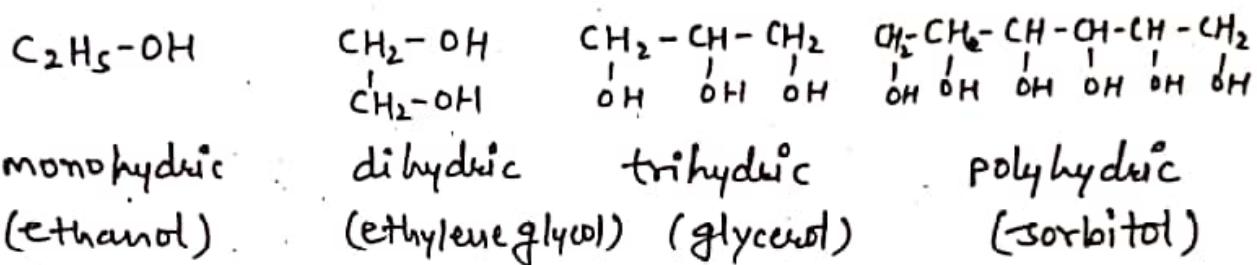
R-OH, Ar-OH, R-O-R oxygen containing FG compounds

R-OH R- alkyl **Ar-OH** Ar- aryl/phenyl
-OH alcohol -OH alcohol

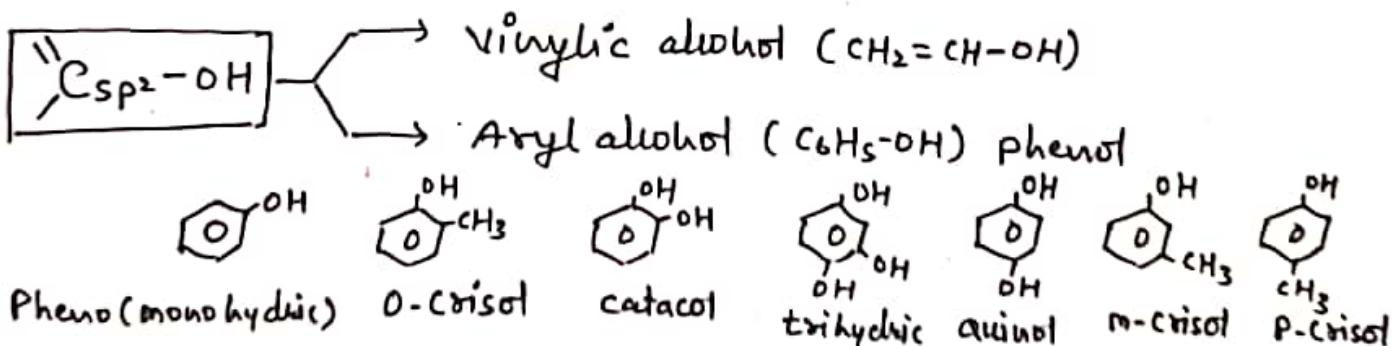
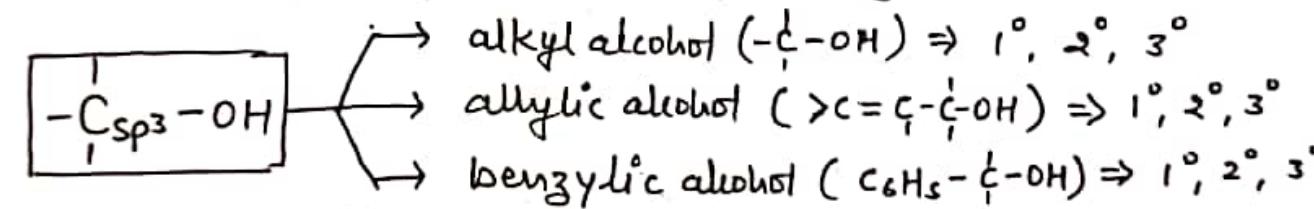
R-O-R R- alkyl, -OR: alkoxy ~~ether/alcohol~~

"Classification/क्रमिकता"

(A) -OH group की संख्या नुसार - [-OH = hydroic]



(B) C-OH बन्ध में C के संघरण अनुसार-



Ethers: संवल ईथर/सममित ईथर: $R-O-R'$ $R=R'$
 मिश्रित / असममित ईथर: $R-O-R'$ $R \neq R'$

Ex: CH_3-O-CH_3 , $C_2H_5-O-C_2H_5$, $CH_3-O-CH_2-CH_3$

Introduction:

1/ **ALCOHOL**: $[R-OH]$ hydroxy derivatives of aliphatic HC

सामान्य सूत्र: $C_nH_{2n+1}OH$ 2n $[C_nH_{2n+2}O]$

प्रथम सदृश्य: CH_3OH carbinol

2/ **Phenol**: $[Ar-OH]$ hydroxy derivatives of aromatic HC

सामान्य सूत्र: C_6H_5-OH या C_6H_5O , जनक:

3/ **Ether**: $[R-O-R]$ alkoxy derivatives of aliphatic HC/aromatic HC

Naming :-

1/ monohydric alcohol :

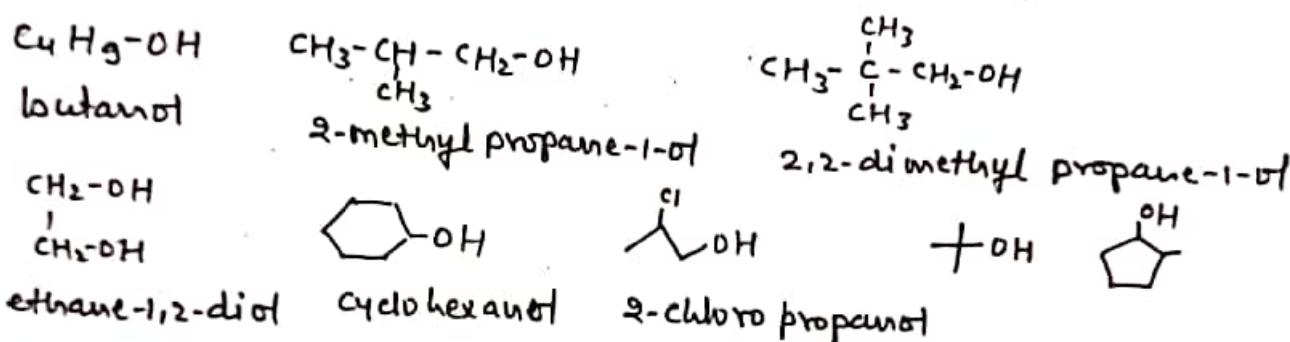
methyl alcohol 1°/p.- alcohol 2°/s. alcohol 3°/t. alcohol.

common name : [alkyl + alcohol] \Rightarrow alkyl alcohol

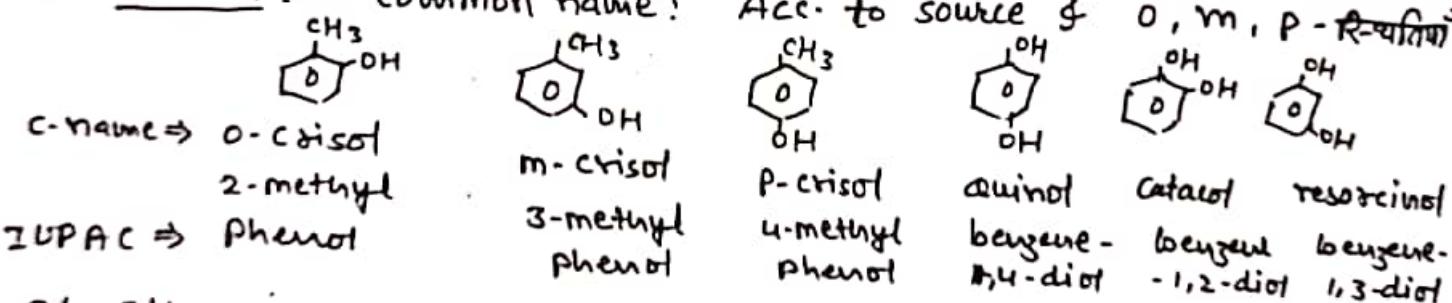
Ex: $\text{CH}_3\text{-CH}_2\text{-CH}_2\text{-CH}_2\text{-OH}$, $\text{CH}_3\text{-CH(OH)-CH}_2\text{-CH}_3$, $\text{CH}_3\text{-CH(OH)-CH}_2\text{-CH}_2\text{-CH}_3$, $\text{CH}_2\text{-C(OH)-CH}_2\text{-CH}_3$

n-butyl alcohol iso-butyl alcohol 2-butyl alcohol neo-pentyl alcohol

IUPAC name : [alkane + ol] \Rightarrow alkanol



2/ Phenol : common name :



3/ Ether : $[R-O-R']$

common name \rightarrow सरल ईथर ($R=R'$) \Rightarrow dialkyl ether

मिश्रित ईथर ($R \neq R'$) \Rightarrow alkyl + alkyl + ether

Ex: $\text{CH}_3\text{-O-CH}_3$ di-methyl ether

$\text{CH}_3\text{-O-CH}_2\text{-CH}_3$ ethyl methyl ether

IUPAC name \rightarrow alkoxy + alkane. | एसी (R) मूल HC
alkoxy + alkane. | जोड़ा (R) alkoxy

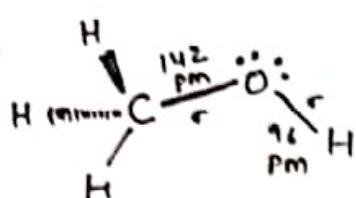
Ex: $\text{CH}_3\text{-O-CH}_3$ methoxy methane.

$\text{CH}_3\text{-O-CH}_2\text{-CH}_3$ methoxy ethane.

$\text{C}_6\text{H}_5\text{-O-C}_6\text{H}_5$ ethoxy benzene.

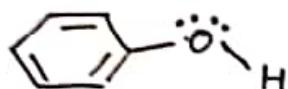
Structure of F.G.:

1/ Alcohol (R-OH) - [CH₃-OH व्या संरचना :]



- # Oxygen की संकरित अवधा sp³
- # बंधन C-OH = सिमा, बंध लंग 142 pm
- # बंधकोण C-O-H = 108.9°
- # Lp = 2, bp = 2
- # ज्ञानिति : विष्ट चतुष्फलवीय

2/ Phenol (Ar-OH) - [C₆H₅-OH व्या संरचना]



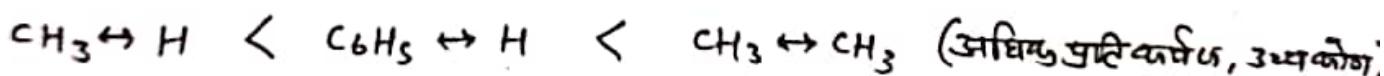
- # संकरण: sp³, बन्धकोण: 109°
- # बंध लंग C-OH = 136 pm (R-OH से अम) (अनुनाद से आंशिक इंवं शुल्क बंध लंग घटेगी)

3/ Ether (R-O-R) - [CH₃-O-CH₃ व्या संरचना]



- संकरण: sp³, बंधकोण: 111.7° (-CH₃ समूह से बंध लंग: 141 pm. उत्तिकर्षण से)

Note: बंध कोण से भिन्न हो जा पाएँ : प्रतिकर्षण घट -



"Preparations / विरचन"

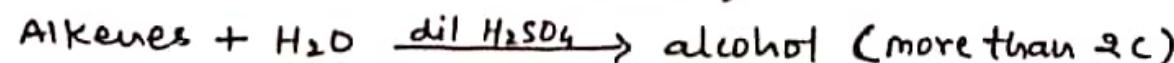
A) Alcohol & Phenol का विरचन:-

Alcohol का विरचन:-

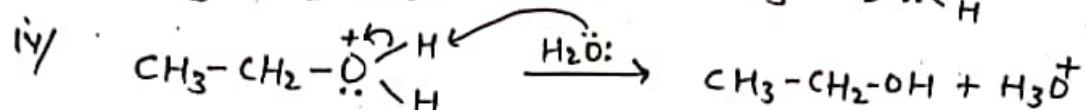
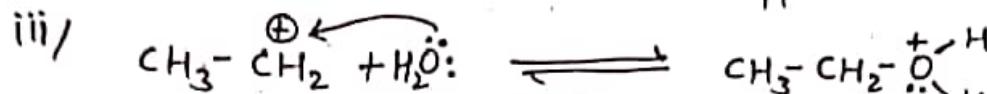
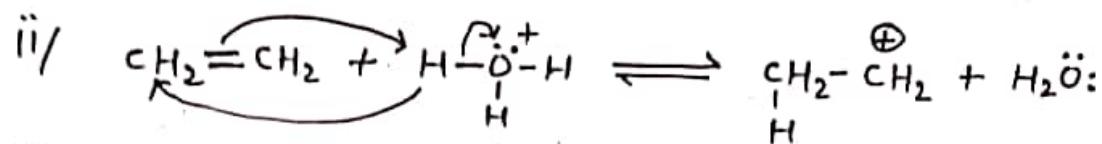
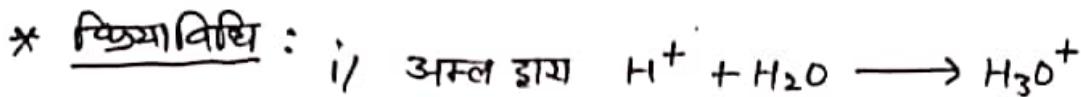
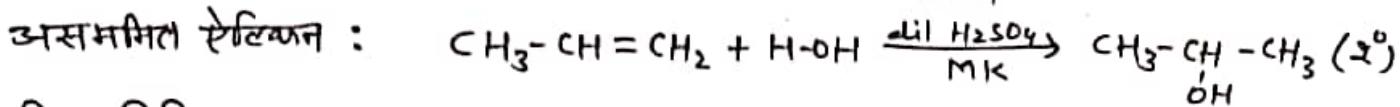
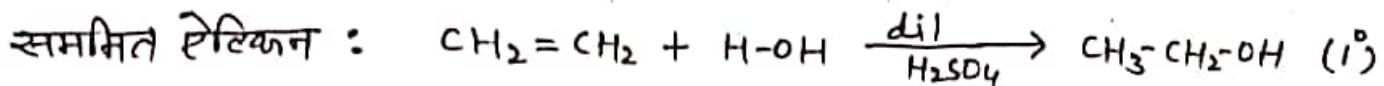
- 1/ Alkene → R-OH
- 2/ carbonyl (aldehyde/ketone) → R-OH
- 3/ Gr R (R-mgX) → R-OH

(1) ऐलिक्यन से -

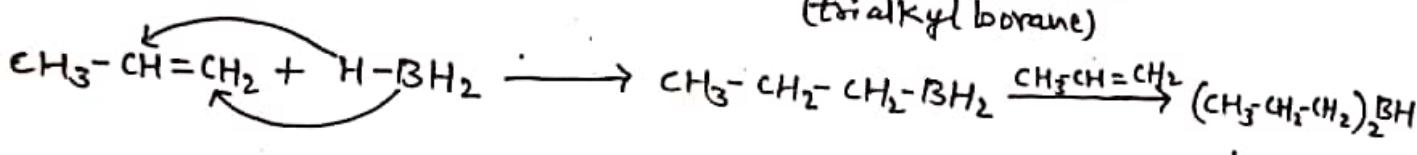
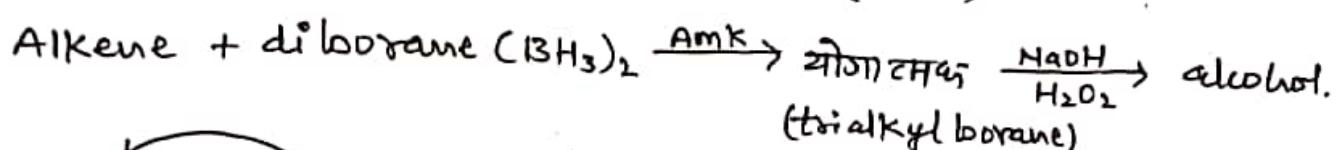
अस्त उत्प्रेरित खलभोजन (Hydration)



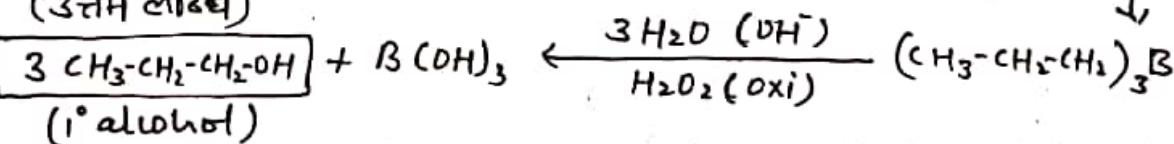
(इस विधि से CH₃OH प्राप्त नहीं होता, क्योंकि प्रथम alkene 2c होता है)



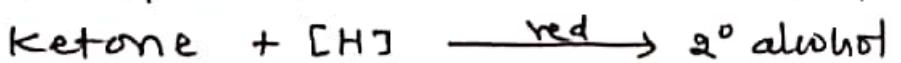
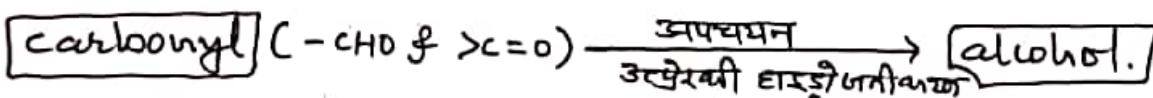
एट्टॉडी लोरोती अथवा - डांबसी वाण से - (HBO)



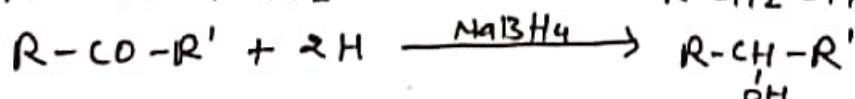
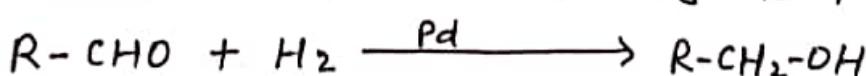
(उत्तम लाभ)



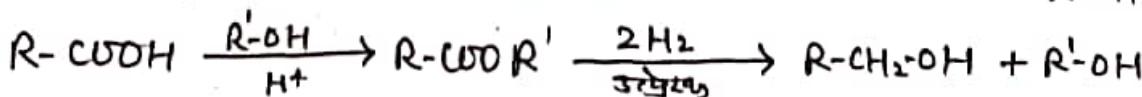
(2) कार्बोनिल यौगिक ($-\text{CHO}$ & $>\text{C=O}$) से -



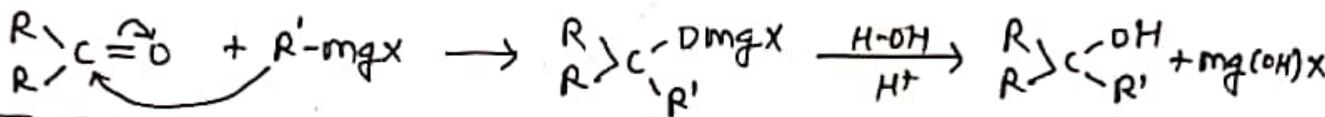
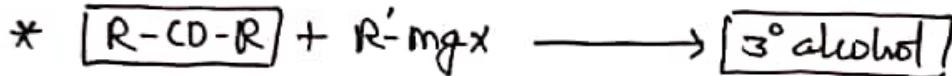
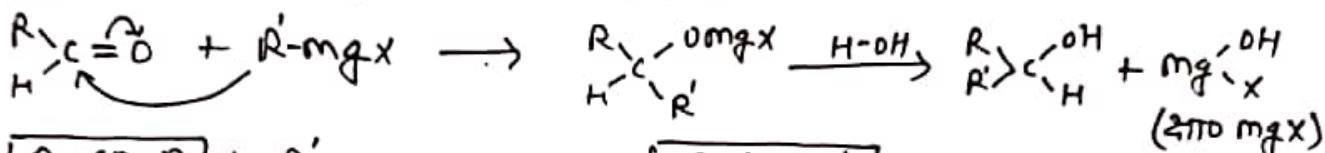
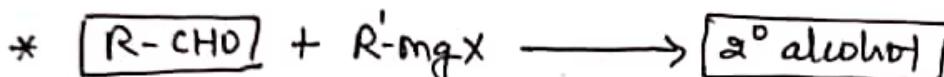
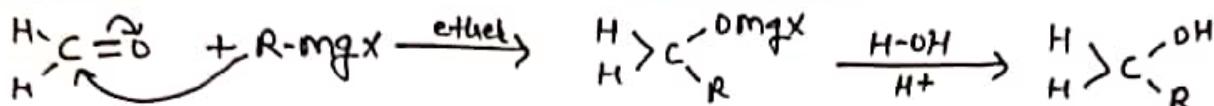
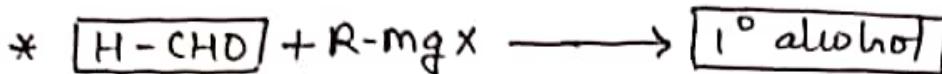
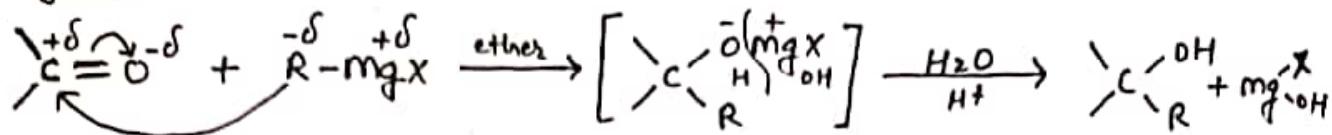
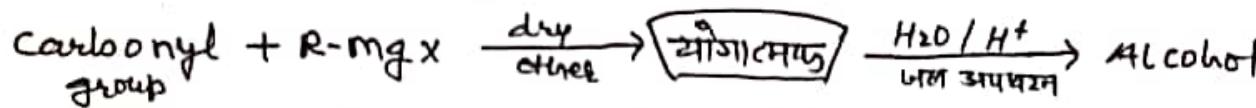
* आपचयक : Pt/Pd + H_2 , Na-Hg + H_2O , LiAlH₄/NaBH₄, Na + $\text{C}_2\text{H}_5\text{OH}$



* carboxylic acid : $\text{R}-\text{COOH} + 4\text{H} \xrightarrow{\text{LiAlH}_4} \text{R}-\text{CH}_2-\text{OH}$



(3) ग्रन्थार् अमि कर्मक (G.R) से -



"Phenol का विस्तृत"

cardolic Acid , सर्वप्रथम जोलतार से प्राप्त किया गया था।

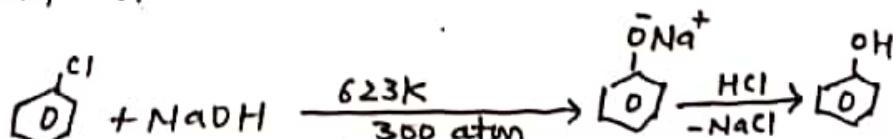
प्रिय्यन - i/ haloarene ($\text{Ar}-\text{X}$) से

ii) $\text{Ar}-\text{SO}_3\text{H}$ से

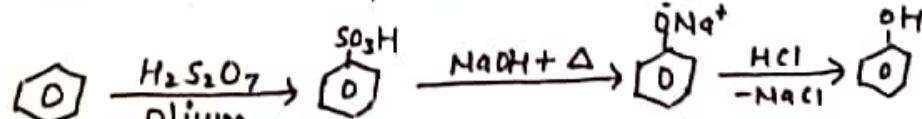
੩/ ਡਾਕ ਦੇ ਯੋਜਿਤ ਮਾਮਲਾਵਾਂ - DPO ਦੀ

१५/ कथुमीन से

i) Haloarene से -



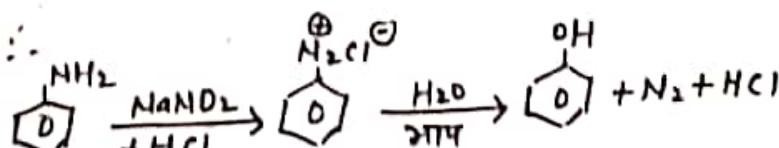
ii) $C_6H_5-SO_3H$ से -



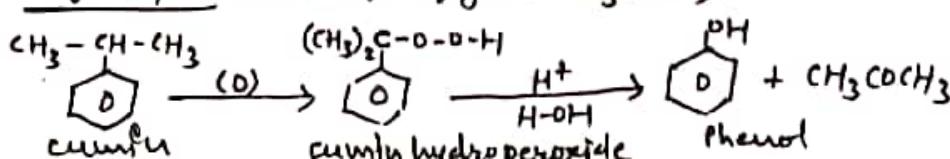
iii/ Diazonium salt से

$$(NaNO_2 + HCl \rightarrow HNO_2)$$

nitroanacid



iv/ क्षयमीन से : (Isopropyl benzene)



"Physical properties"

alcohol वे phenol -OH समूह से उत्पन्न ऑक्सिजन -

±/ क्वचनांक (BP) -

* प्रार्थनी यी संष्टिया मैं वृद्धि & कवयातांक (पांडेवल लल मैं वृद्धि)

$$* R-DH \text{ में व्याख्यन } \propto \frac{1}{R^p} \quad (\text{वांछित लला में पार्श्व})$$

Ex: $\text{CH}_3-\text{CH}_2-\text{CH}_2-\text{OH} > \text{CH}_3-\underset{\text{OH}}{\text{CH}}-\text{CH}_3$

$$\text{C}_3\text{H}_7\text{OH} < \text{C}_4\text{H}_9\text{OH} < \text{C}_5\text{H}_{11}\text{OH}$$

* अंतरात्मक H- bonding के प्रारूप 3P उच्च -

Note: समान अणुभार वाले अत्य HC, ether, R-X, Ar-X की तुलना में R-OH & Ar-OH के BP उच्च होते हैं।

Ex: $\text{C}_2\text{H}_5\text{-OH} > \text{CH}_3\text{-O-CH}_3 > \text{CH}_3\text{-CH}_2\text{-CH}_3$

Ethanol

methoxy methane

Propane

(BP = 3511c)

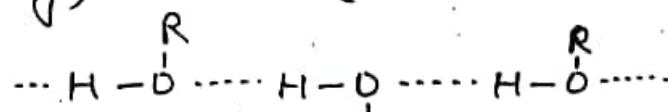
(BP = 248K)

(f3P = 231K)

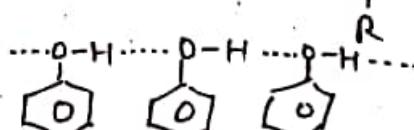
(H-bonding)

(no H-bonding)

R-OH में H-bond



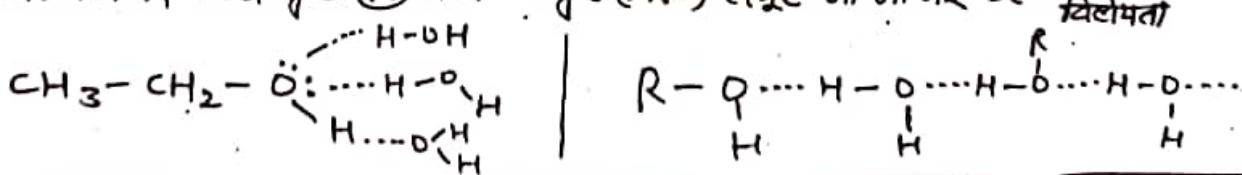
Ar-OH से H-bond :



२ विलेघता :-

* alcohol & phenol खल में विलेपक्षील (H-bond के पारण)

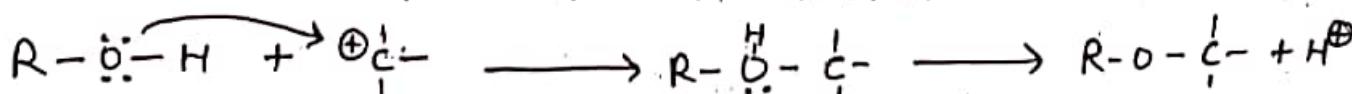
* जलविराजी alkyl (R) तथा aryl (Ar-) समूह को नाकार $\propto \frac{1}{\text{विलेपन}}$



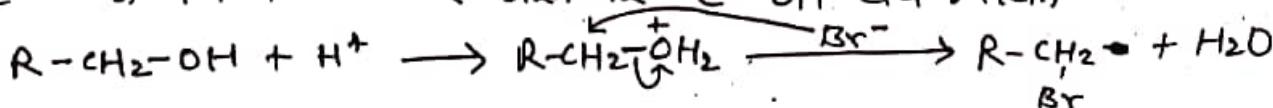
"Chemical properties"

R-01 सर्वतोनुरक्ति धौगिकु है अद् मु^० तथा e⁺ कोने का पार्श्वप्रक्षण है।

N₄[⊖] के रूप प्रवाह परने पर .O-H का विद्युत -



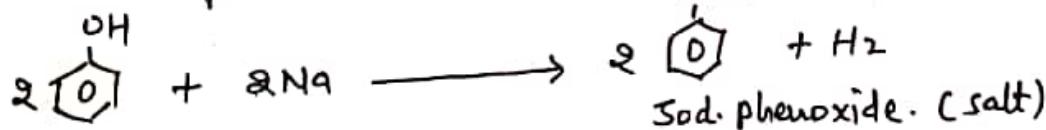
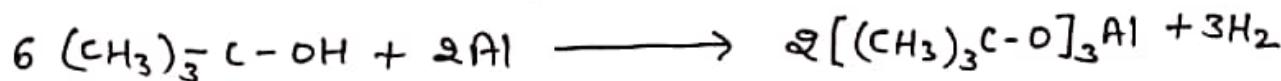
E^\oplus के क्षेत्र से अवश्यक ज्ञानों पर C-OH वर्षे विद्यालय -



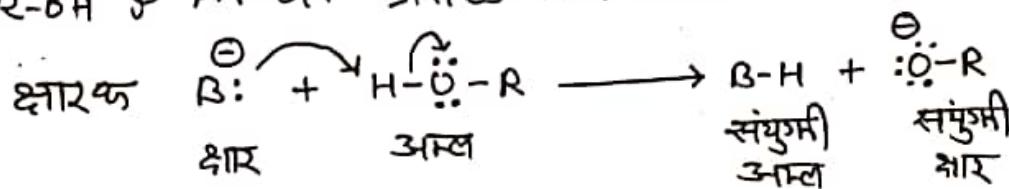
$R-OH$ अभियंत्रणाएँ: (A) $-efOH$ विद्युत अभि०

१/ alcohol तस्या Phenol की अम्लीयता :-

स्थिरधातुओं से पिण्या : $R-OH/Ar-OH + Na/K/Al \longrightarrow H_2 \text{ gas}$



Note: R-OH & Ar-OH ब्रास्टेड लॉरी अम्ल हैं। (H^+ दाता) जैसे-



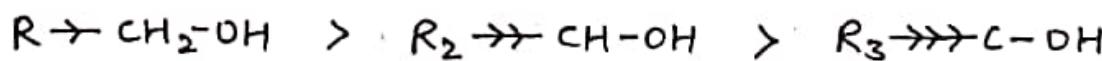
Alcohol में अम्लता -

\Rightarrow O-H आवंधे परी धूमणता के लाला alcohol H^+ योगदार
अस्थिर प्रवणता दर्शाती है।

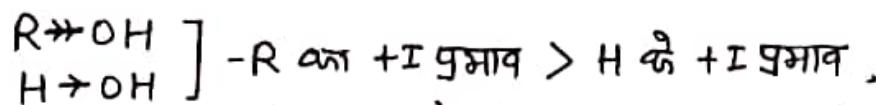
⇒ Alcohol में -R समूह का +I प्रभाव (इलैंशता / विमी-चक्र) आकर्षीयता पर e-घनत्व बढ़ता है। अतः O-H ध्रुवणता घट जाने से H⁺ का निप्पणासन फठित एवं अस्थिरता भी कम हो जाती है।

\Rightarrow alkyl group R का ओ पर विधानत्व $\propto \frac{1}{O-H}$ दृष्टिप्रणाली

⇒ ०-१ बद्ध ध्रुवणा व अस्तीम सामर्थ



⇒ *alcohol*, जल ਵੀ ਅਪੋਸ਼ਾ ਦੁਰਲ ਅਨਿ ਹੋਵੇ - ਆਵਖਕ ਅਮਿ ।

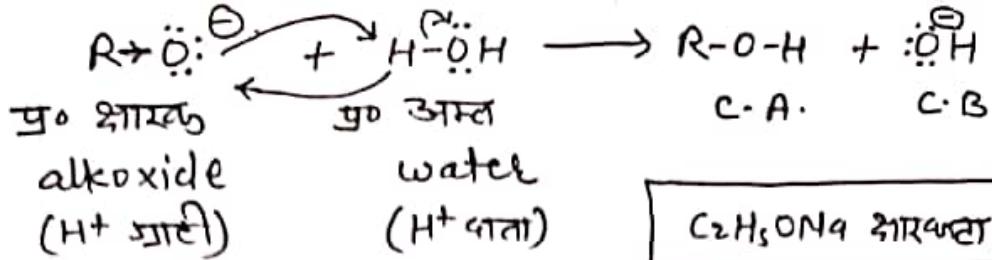


O-H आबंध ध्रुवण्टा : $R-OH < H-OH$

H_2O , R-OH की तुलना में H^+ निष्पादन आसान

काटा: H_2O की अस्थिरता $>$ R-OH की अस्थिरता

अभिक्रिया: $R-\ddot{O}^{\ominus} + H-\ddot{O}-H \longrightarrow R-OH + :\ddot{O}H^{\ominus}$

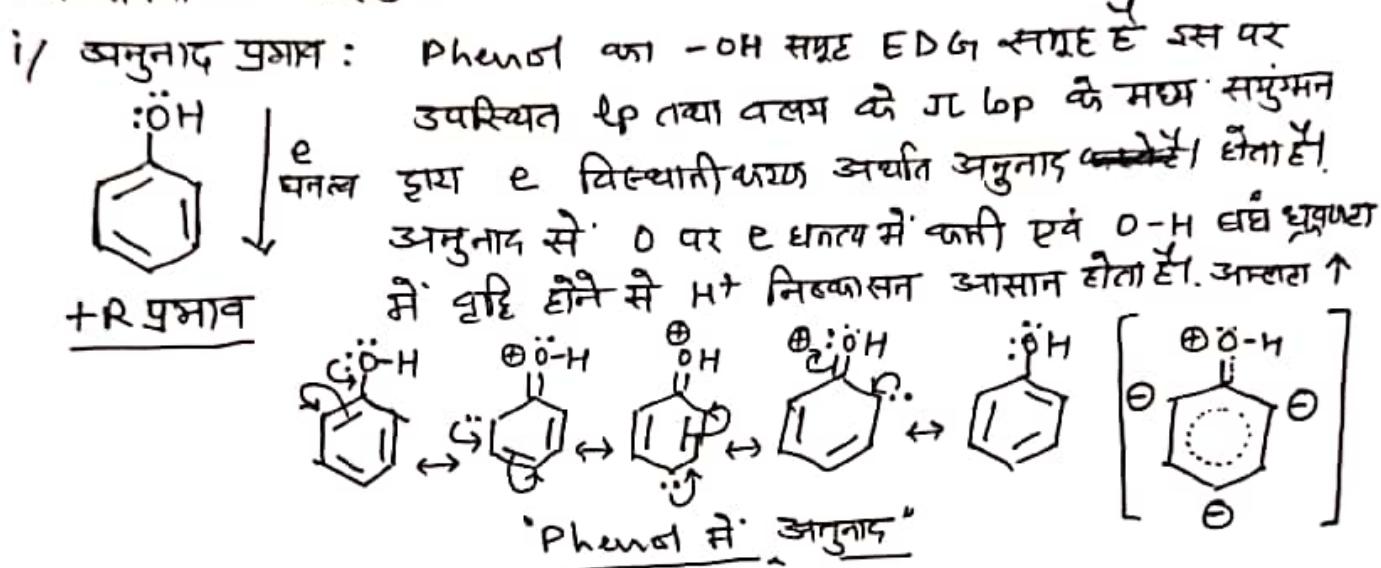


C₂H₅ONa कारबन्टा > NaOH

Phenol की अम्लीयता -

अम्लता दर्शाने वाली अभियं : Phenol + Na \longrightarrow sod. phenoxide + H₂↑
 Phenol + NADH \longrightarrow sod. phenoxide + H₂O

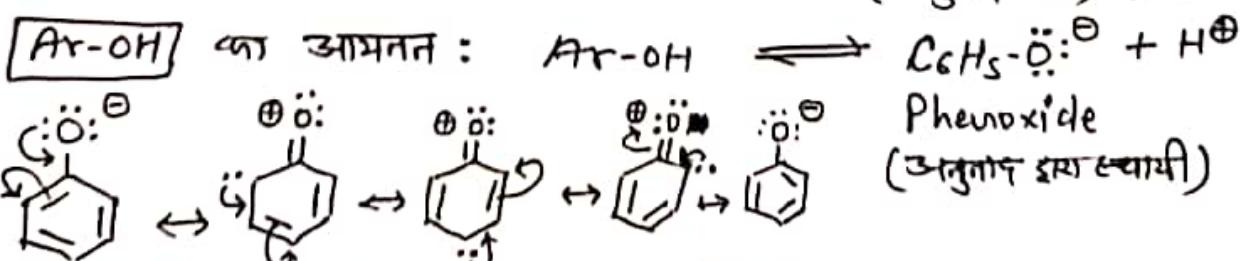
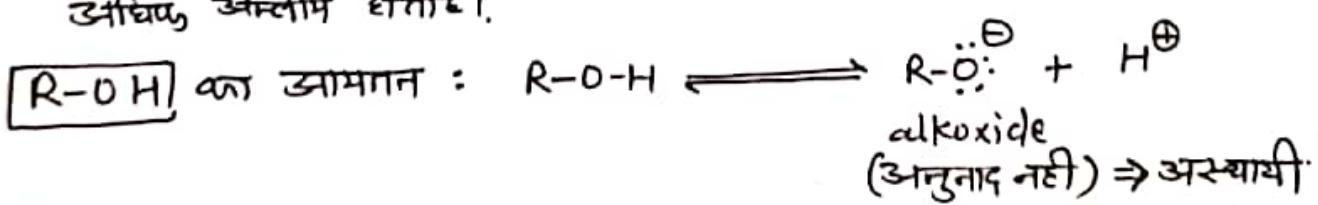
अम्लीयता के ज्ञारण -



Phenol, alcohols तथा खल से प्रबल अम्ल हैं!



* Aromatic वल्य से पुँ ग्ने -OH साझा, -R से पुँ ग्ने -OH साझा से अधिक अम्लीय होता है।

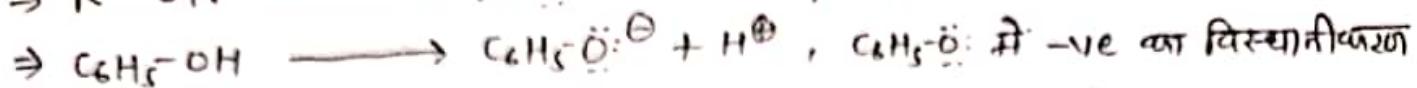
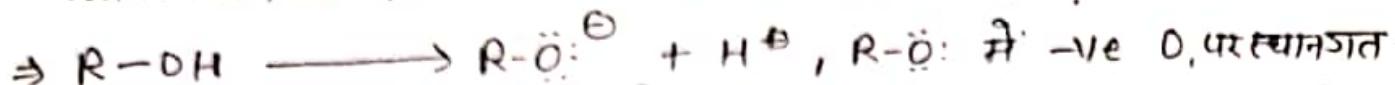


iii/ C-OH में कार्बन का संकरण -

R-OH -C-OH sp^3 संकरण, निम्न EN, O-H ध्रुव वर्ण Ar-OH से कम

Ar-DH > C-OH sp^2 संकरण, ऊच्च EN O पर e⁻ धार्य ↓ O-H ध्रुव वर्ण ↑ H⁺ का निष्कासन ↑ अम्लता ↑

alkoxide, रसी phenoxide ion अधिक स्थानी है।



\Rightarrow Phenol में e का विस्थानीप्रण इसके आवश्यक ऐसी संरचना/जसान प्राप्त है जो phenoxide की ओरेंटेशन alkoxide अस्थानी होता है।

Phenol की ओरेंटेशन phenoxide अधिक स्थानी है।

\Rightarrow Phenoxide में अनुत्तम इमार आवेदा (-ve) का विस्थानीप्रण

Phenol में अनुत्तम इमार आवेदा का पृथक्करण ही जाता है।

iii/ I प्रभाव: Phenol $\Rightarrow -C_6H_5$ का -I प्रभाव $\Rightarrow O-H$ ध्रुवण्टा \uparrow अस्थान में इमार

Alcohol $\Rightarrow -R$ का +I प्रभाव $\Rightarrow O-H$ ध्रुवण्टा \downarrow

Phenol की अस्थान पर प्रतिस्थानी का प्रभाव:

a/ इलेंट आकृषि/अपनयन समूह (-I या -R प्रभाव) \Rightarrow अस्थान में दृष्टि

Ex: $-NO_2$, $-Cl$ ऐसे समूह Phenoxide में प्रभावी आवेदा किए गए विस्थानीप्रण करते हैं। यदि इसे समूह बलमध्य पर O या P पर अस्थित हो तो अस्थान में अधिक दृष्टि होती है।

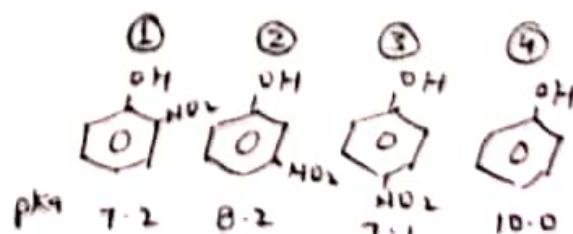
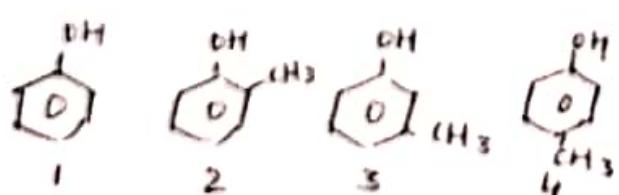
p-nitrophenol > o-nitrophenol > m-nitrophenol

b/ इलेंट प्रतिस्थानी/विमोचन/EDG (+I / +R वाले) \Rightarrow अस्थान में ज्ञानी

Ex: $-CH_3$, $-OH$, $-C_2H_5$ इनके माध्यम से विस्थानीप्रण बाधक

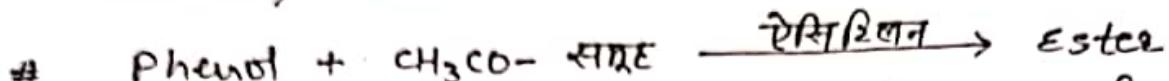
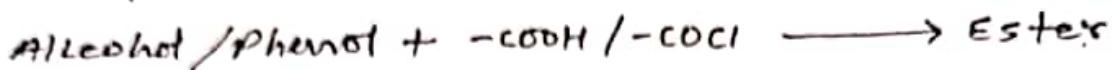
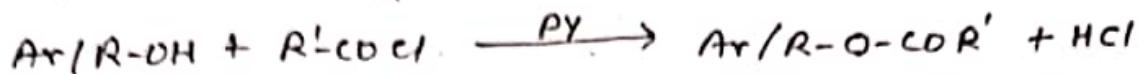
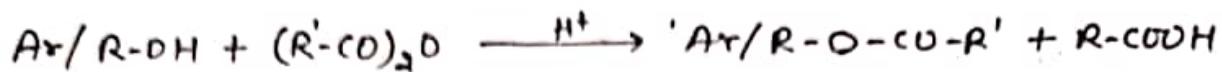
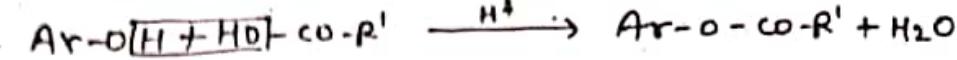
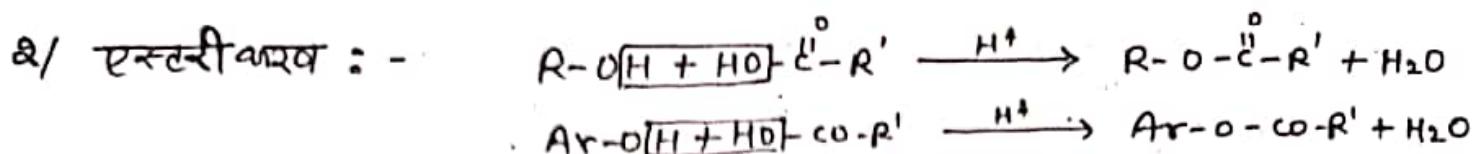
Phenol > o-Cresol

$[pK_a \text{ का मान } \propto \frac{1}{\text{आस्थान}}]$

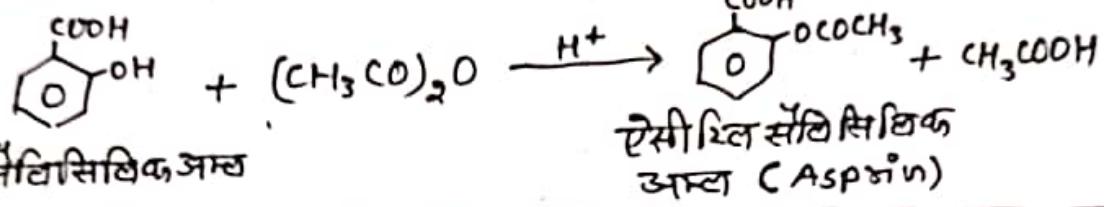
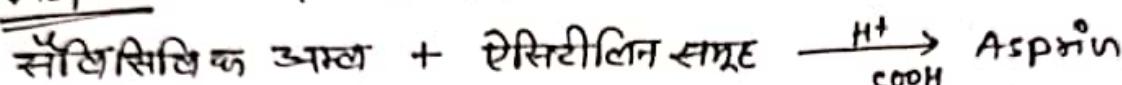


अस्थीयता क्रमानुसार: $4 < 2 < 1 < 3$

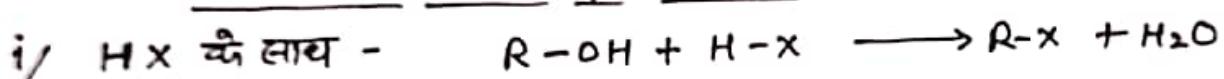
अस्थीयता क्रम: $1 > 3 > 2 = 4$



Aspirin (वीड़हारी, बीघावी, चमारी) का निर्माण -



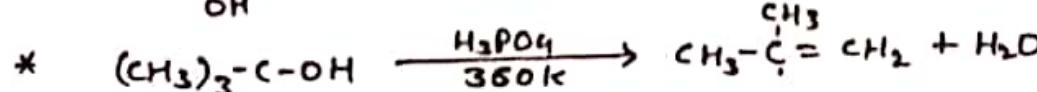
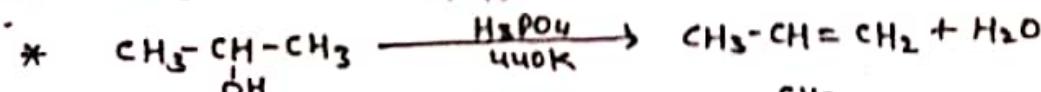
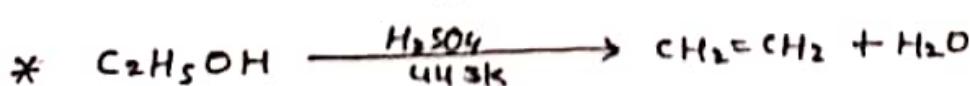
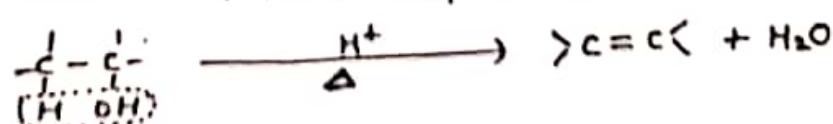
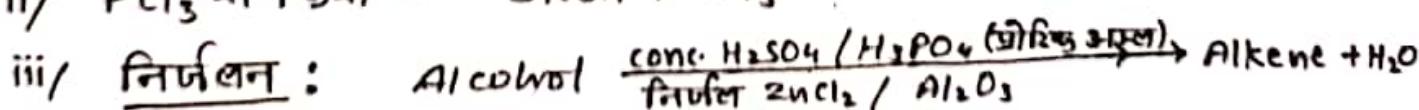
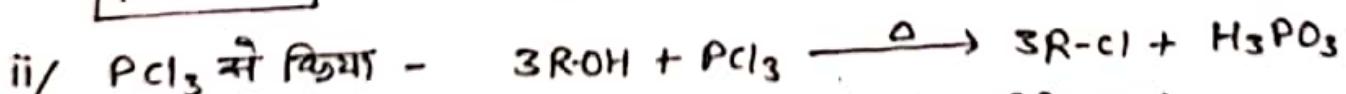
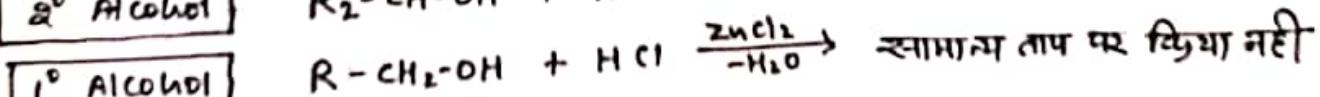
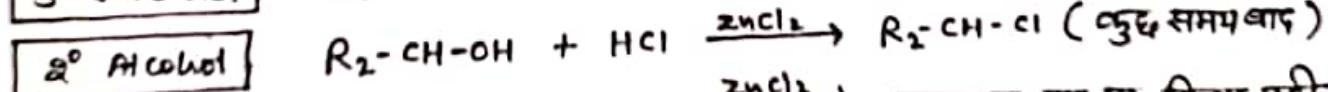
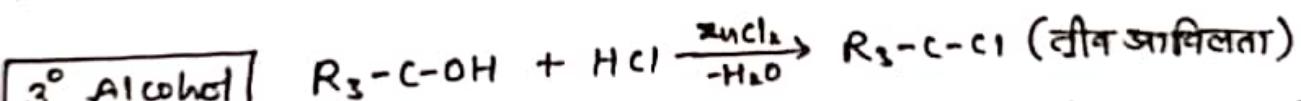
(B) C-O जावंध विस्तार अभियो : (केवल R-OH)



* $R-OH$ की HCl के प्रति फिल्मीता के आधार पर इन्हें भिन्नें

* ल्युकार्स परीक्षण Lucas अभिकर्त्त्व = सान्ड $HCl + ZnCl_2$ (dil)
[$R-OH$, Lucas Re के विलय जबकि $R-X$ अविलय]

Alcohol + Lucas Re \longrightarrow $R-X$ (अविलय) \Rightarrow आविलता

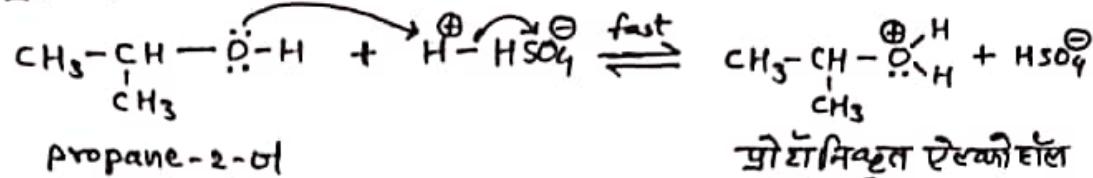


R-OH निर्जलाग्रम

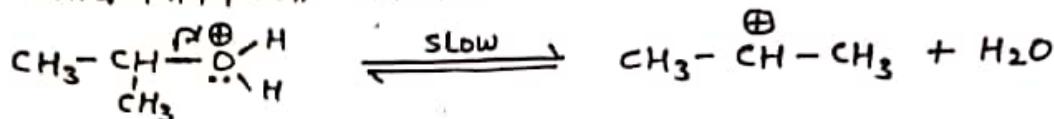
$3^\circ > 2^\circ > 1^\circ$
C^+ स्थान्त्रिक अनुसार

Propane - 2-OH के नियन्त्रण की विधि :

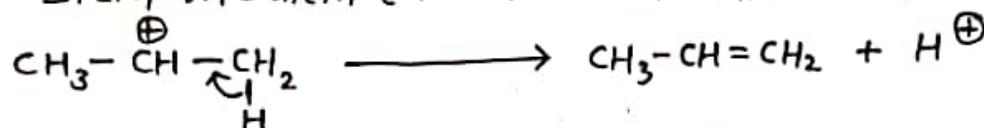
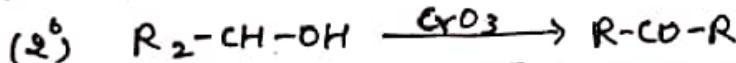
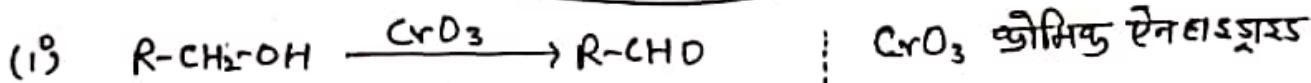
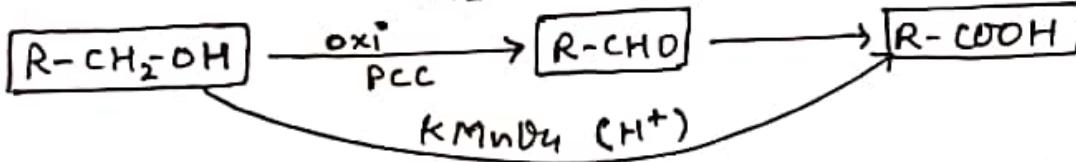
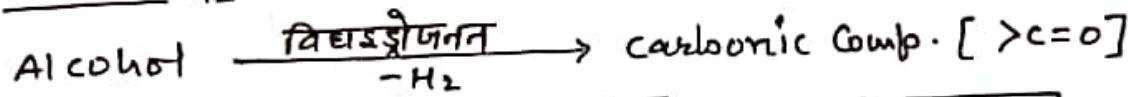
पद - 1 प्रोटॉनित एल्कोहॉल का नियन्त्रण



पद - 2 ऑक्सीधनाधन का नियन्त्रण -



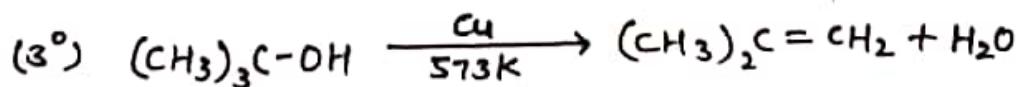
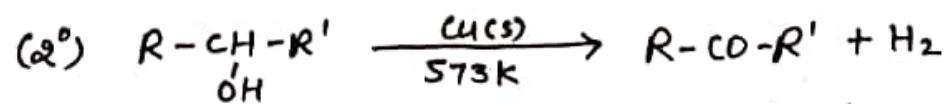
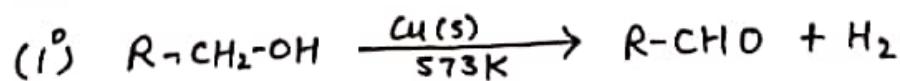
पद - 3 प्रोटॉन नियन्त्रण स्थें alkene का नियन्त्रण -

iv/ ऑक्सीफरण - (O-H तथा C-H बंध विद्लग)

(3) alcohol \Rightarrow NO Oxi[°] (परन्तु प्रबल ऑक्सिडार्ट KMnO₄ + तथा पद संसर्व

Note: प्राक्तिक एल्कोहॉल के ऑक्सीफरण से R-CHO की लाइफ (भासा) उमात प्राप्त करने के लिए PCC (पीरिडिनिम स्लोरोक्लोरेट) जगीराफ्टि उपयोगी

विद्लगीपरीकार :- alcohol $\xrightarrow{\text{Cu(s)}}$ R-CHO / R-CO-R / alkene.



Note: methanol & ethanol $\xrightarrow[\text{Oxi}^{\circ}]{\text{प्रतिक्षेप}} \text{aldehydes} \rightarrow \text{acid.}$

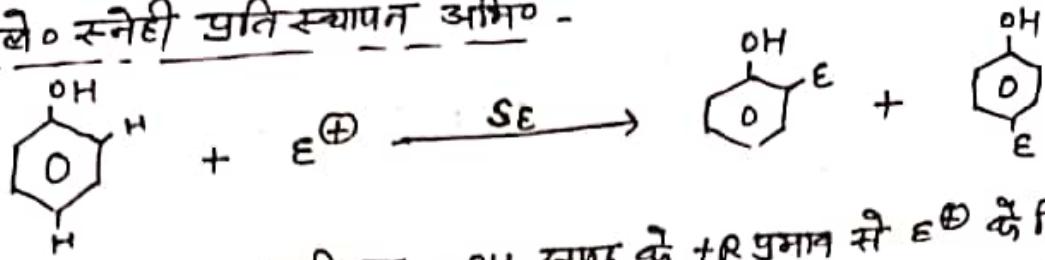
\Rightarrow methanol मिश्रित ethanol के सेवन से : methanol \rightarrow methanal \rightarrow acid (विशुणित / विश्वल)

\Rightarrow प्रभाव : अंघता, मृत्यु

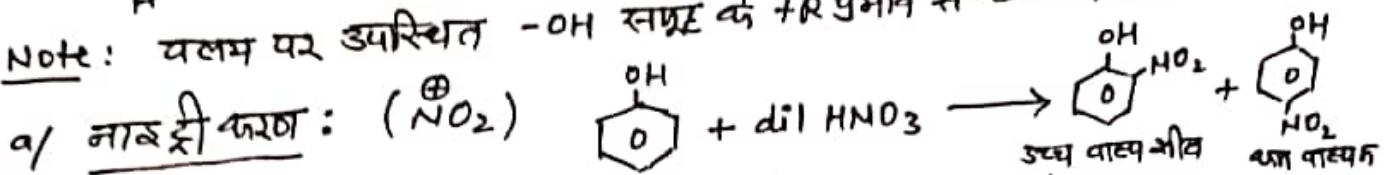
\Rightarrow उपाय : dilute ethanol (cistern vessel)

Phenol की अभिक्रियाएँ

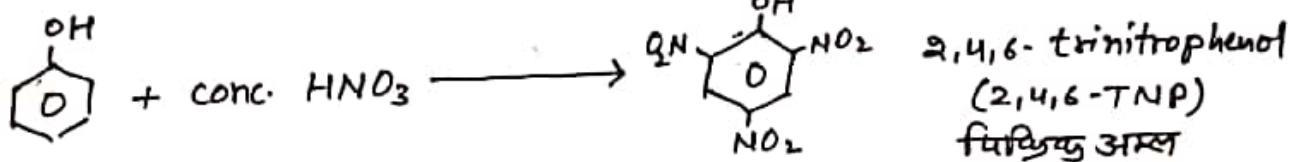
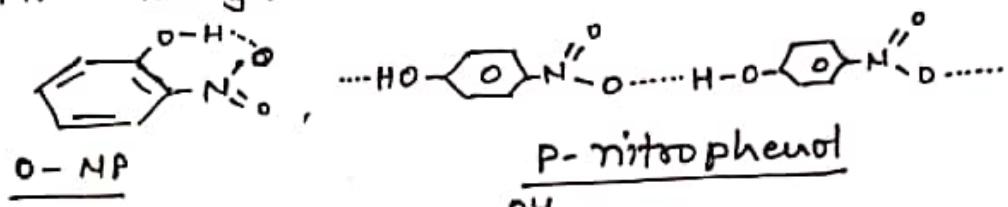
1/ इलो स्नेही प्रतिस्पदन अभियोग -



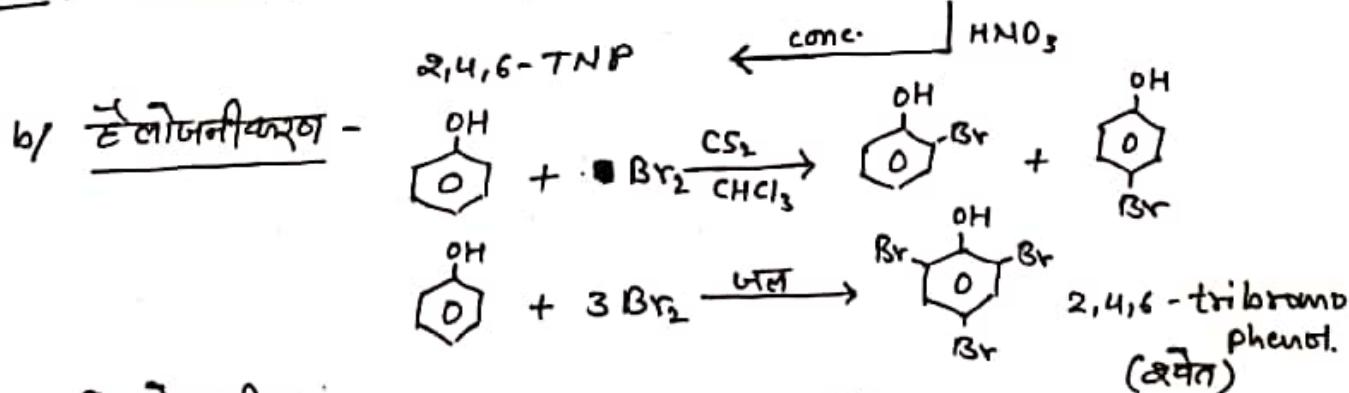
Note: यलम पर उपस्थित -OH समूह के +R प्रमाण से E⁺ के लिए O⁺ P मिलती



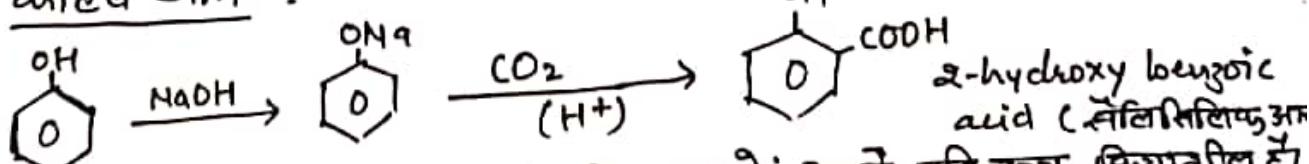
भ/ Note: O-NP अंतःअणुक्त H-bond भाव से वापित]- प्रमाणी आसवन P-NP अंतःअणुक्त H-bond न्यून वात्यावृत्ति से पृथक्



Note: Phenol + conc. H₂SO₄ $\xrightarrow{\Delta}$ Phenol-2,4-disulphonic acid

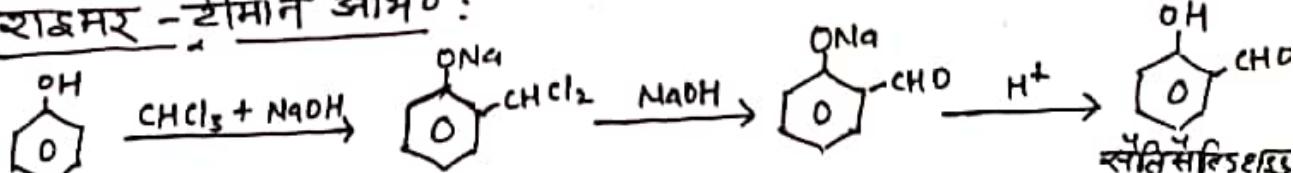


2/ कोहरे अभियोग :

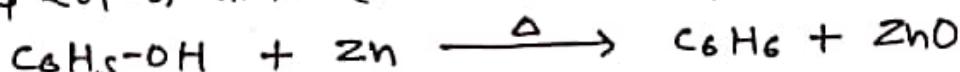


Note: C₆H₅-ONa, phenol की तुलना में SE के प्रति उच्च क्रियावर्ती है।

3/ शहसर-टीमान अभियोग :



4/ अश्वारूप के साथ: (Phenol + Zn dust)



5/ अॉक्सी प्रक्रिया : Phenol $\xrightarrow{\text{Chromic Acid}}$ Benzooquinone.

$$\text{C}_6\text{H}_5\text{OH} \xrightarrow[\text{H}_2\text{SO}_4]{\text{Na}_2\text{Cr}_2\text{O}_7} \text{C}_6\text{H}_5\text{O}_2 = \text{O}$$

* Phenol + ताम्र $\xrightarrow{\text{Dx}^{\circ}}$ जट्ठारंग प्ला मिकाइ (किवनीत)

औषधी डिएक्ट्र एव्होहॉल -

1/ Methanol - [CH₃-OH] carbinoł

स्पा० नाम - एकाठ स्ट्रिप्ट (लफ्फी के भंजन, आसवन से प्राप्त)

विरचन - $\text{CO} + \text{H}_2 \text{ (watergas)} \xrightarrow[\text{300 atm}]{\text{ZnO} + \text{573K}} \text{CH}_3\text{OH}$

जुलाधर्म - रंगाधीन दय, BP 337K, जल में विलेय

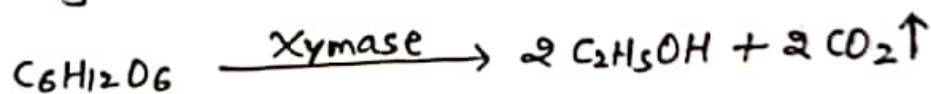
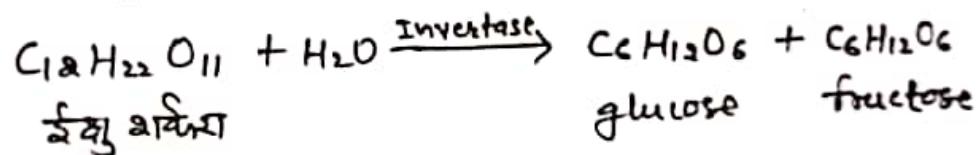
प्रकृति - अत्यंत विचेता, (जट रिकी शराद)

प्रकृति - अल्पत विष्टिला, (जटारकी शराब)
Note: इसके अल्प सेवन से अद्यापत व अधिक मात्रा से मृत्यु भी हो सकती है।

2) Ethanol - [C₂H₅OH] alcohol.

झाठ नाम - अन एल्पोहॉल, मदिरा वा मुत्त्य जंका

विद्युत - वार्कर के विधिवत से (old method)



ठाणधरी - रंगडीन डव, BP ३५१K, विलाशक,

विष्टिवर्णन - सामान्य एवणीटो + ५१०४ (रंगेतू) + पिरिडिन (जंग)

alcohol को लीने अभीयंश बाया खाताहौं।

Ether $\text{R}-\ddot{\text{O}}-\text{R}'$

Aliphatic/Aromatic HC के alkoxy (OR) यूक्त इवार शिल्पी

H₂O hydrate at oxygen, alcohol at anhydroxide-ether

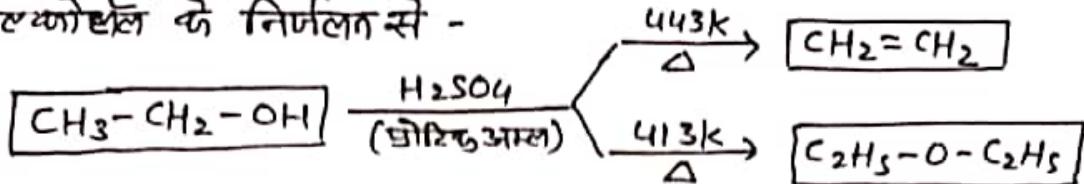
स्वामान्त्र्य सूत्र: $C_nH_{n+2}O$ ($n = 2$ से अधिक)

प्रथम मदस्य : $\text{CH}_3\text{-O-CH}_3$

प्रकार : 1/ सरल / समसितर्द्धार ($R = R'$) $\text{CH}_3-\text{O}-\text{CH}_3$
 2/ मिश्रित / असमसितर्द्धार ($R \neq R'$) $\text{CH}_3-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$

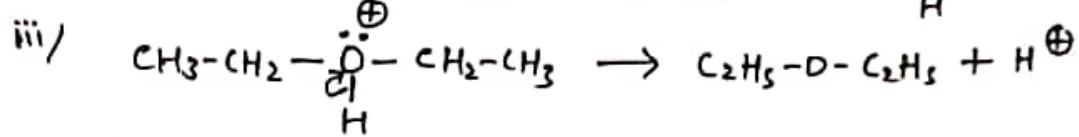
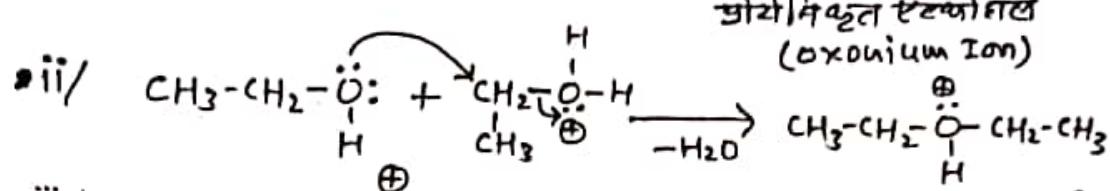
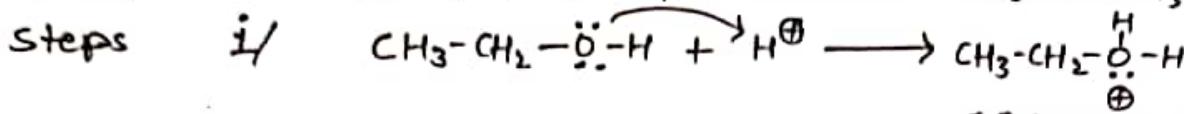
ईथर का विरचन -

2/ ऐल्कोहॉल के नियिलत से -

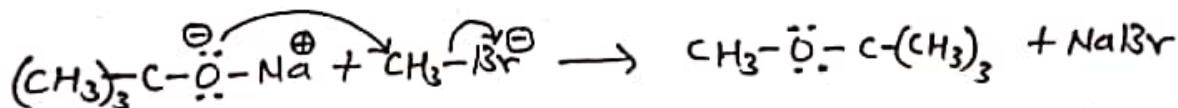


Note : अद्य एवं S_N अभिक्रियाएँ व्यापार प्रक्रमी हैं -

चित्राविधि : $\text{C}_2\text{H}_5-\text{OH} + \text{H}_2\text{SO}_4 \xrightarrow{413\text{K}} \text{C}_2\text{H}_5-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$

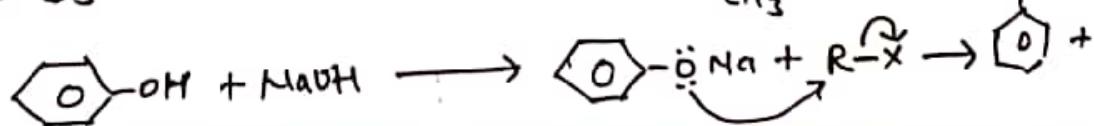
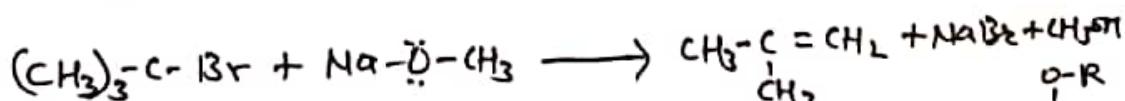
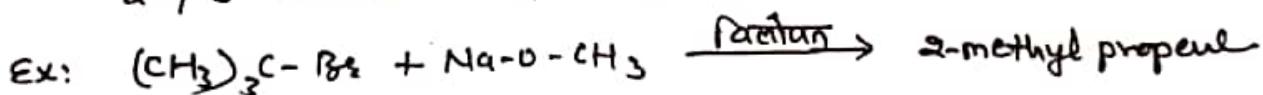


3/ विलयन संश्लेषण :

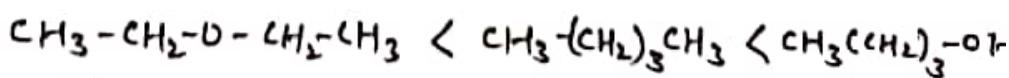


Note: 1° alcohol \longrightarrow good for ether preparation

2°/ 3° alcohol \longrightarrow विलोपन \longrightarrow alkene product



मौतिक शुद्धि - ईथर में C-O बंध और्ध्वाय प्रकृति का होता है। इसके अप सामान्य संरचना परिवर्तन पाया जाता है।



ethoxy ethane
~~($\text{H}-\text{C}(=\text{O})-\text{O}-\text{C}(=\text{O})-\text{H}$)~~

n-pentane

butane-1-O-

~~($\text{H}-\text{C}(=\text{O})-\text{O}-\text{C}(=\text{O})-\text{H}$)~~

विलेपन - ethoxy ethane = butane-1-OI $>$ n-pentane

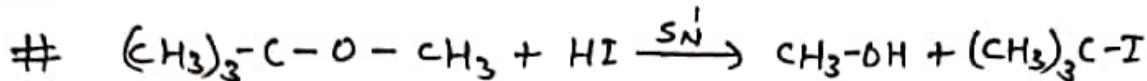


ईप्परः रात्रा० आभिष्ठिग्नाएँ०

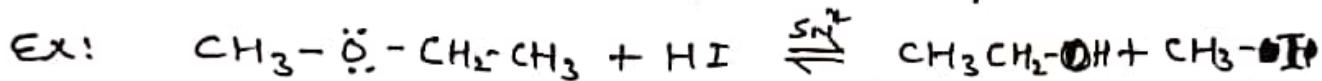
१/ C-O व्यं विदलत अभि -



Note: HX की क्षमता यह: $H_I > HBr > HCl$

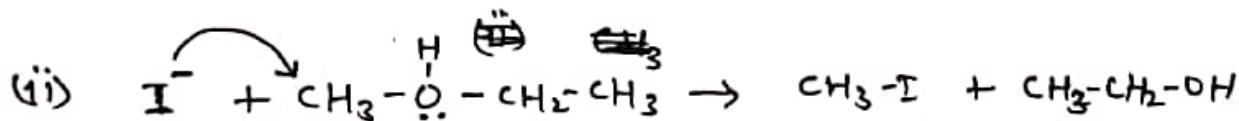


Ether में -OCH₃ स्थान का मात्रा समुक्त आकंक्षण फूटने में उपयोगी। इस विधि को खीसत विधि कहते हैं।

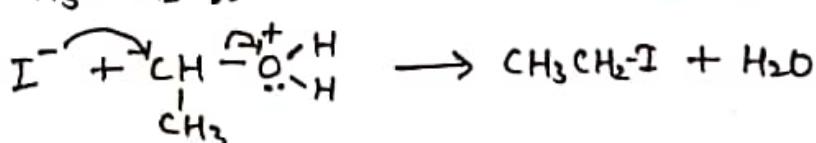


प्रिया विदि - (i) $\text{CH}_3-\ddot{\text{O}}-\text{CH}_2\text{CH}_3 + \text{HI} \rightleftharpoons \text{CH}_3-\overset{\text{H}}{\underset{\text{I}}{\text{O}}}^{\cdot}-\text{CH}_2\text{CH}_3 + \text{I}^-$

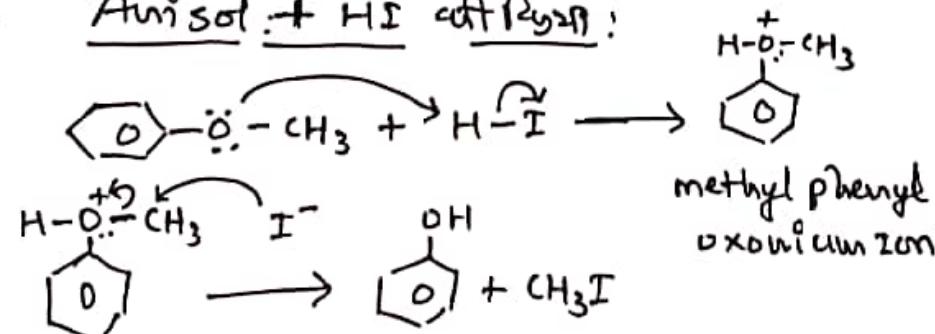
⑧ स्कूल R-x देता है। (इसे जानिए)



HF का अमिन्य लेवेल : $\text{CH}_3 - \text{CH}_2 - \ddot{\text{O}} - \text{H} + \text{H}-\text{I} \rightleftharpoons \text{CH}_3\text{CH}_2\text{O}^+ + \text{H}^+ + \text{I}^-$



Anisot + HI auf Pyrr:

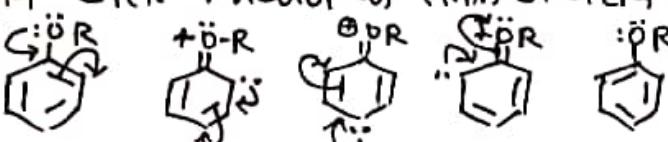


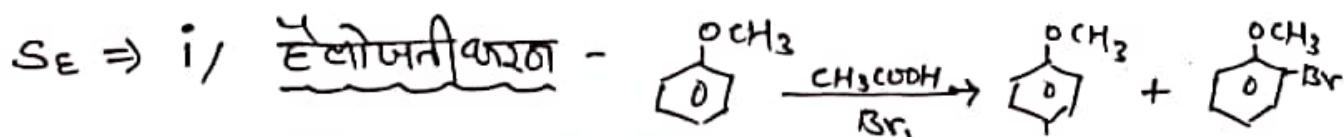
C_{sp^2} आंशिक
ट्रिलंग्युल

$\left[\begin{matrix} O-CH_3 \text{ अंगीं weak} \\ O-C_6H_5 \text{ अंगीं strong} \end{matrix} \right]$

2) ਇਲੋਕਾਂਗ ਸ਼੍ਰੋਦੀ ਪ੍ਰਤਿਲਾਘ ਅਭਿਆਪਨ ਅਗਿੰ ⇒ Aromatic ethers ਜੋ -OR ਲਾਈ ਹੋ R ≠ P ਜਿਵੇਂ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ Phenol ਦੀ ਸਮਾਨ ਹੀ ਵਲਥ ਦੇ ਵਿਵਾਹੀ

अन्तर्राष्ट्रीय अस्तुतादः (Anisotropy) :



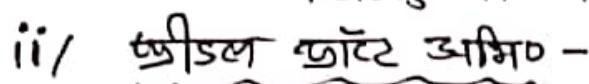


Note: $-OCH_3$ समूह दर्शन वलय का

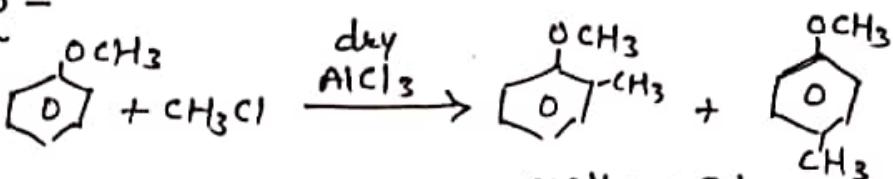
संक्षिप्तण दी भावा है। अतः LA

p-bromo anisole (90%)

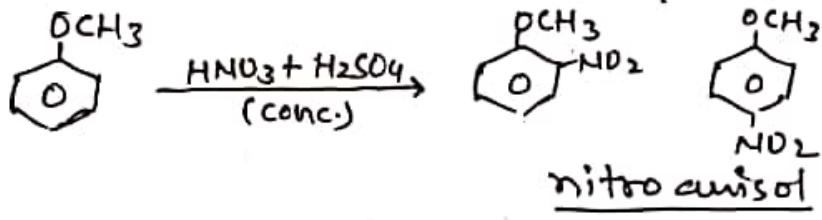
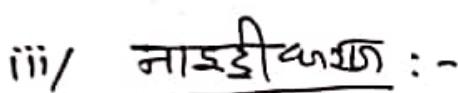
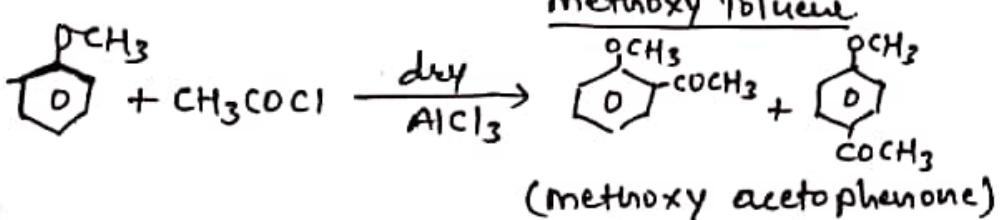
$FeBr_3$ की आवश्यकता नहीं होती है।



एलिक्ट्रीफ्टेन \Rightarrow



ऐसिलिप्टेन \Rightarrow



nitro anisole

α

$\$